सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 14 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 15 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मैं इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि मैं कुछ चीजें नहीं बदल सकता।
-डॉ. अब्दुल कलाम

गैर-लाइसेंसी हथियार मामले में यूपी... 8 | किस बजट से लहलहाएगी वोटों... 3 | सरकार की तानाशाही के खिलाफ... 7

## कानपुर मामला: महिला के बेटे ने सुनाई दर्दनाक दास्तां

# लेखपाल ने बहन और मां को किया आग के हवाले

» एसओ ने उन्हें भी आग में झोंकने का प्रयास किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर देहात में मैथा तहसील की मड़ौली ग्राम पंचायत के चालहा गांव के पीड़ित परिवार के बेटे अंकित ने अधिकारियों पर अपनी मां-बहन को आग में झोंकने का आरोप लगाया है। अंकित ने कहा कि कार्रवाई के दौरान लेखपाल से बचने के लिए मां ने घर का दरवाजा बंद कर लिया था। इसके बाद लेखपाल ने झोपड़ी में पीछे की तरफ से जाकर बहन और मां के ऊपर डीजल डालकर आग के हवाले कर दिया। इसी दौरान जेसीबी से झोपड़ी ढहा दी गई। रूरा एसओ ने उन्हें भी आग में झोंकने का प्रयास किया था।

कृष्ण गोपाल ने बेटे अंकित ने बताया कि कार्रवाई के दौरान लेखपाल से बचने के लिए मां ने घर का दरवाजा बंद कर लिया था। इसके बाद लेखपाल ने झोपड़ी में पीछे की तरफ से जाकर बहन और मां के ऊपर डीजल डालकर आग के हवाले कर दिया। इसी दौरान जेसीबी से झोपड़ी ढहा दी गई। रूरा एसओ ने उन्हें भी आग में झोंकने का प्रयास किया था। आग से मां और बहन को बचा नहीं पाए, सरकारी हैंडपंप को उखाड़ दिया।

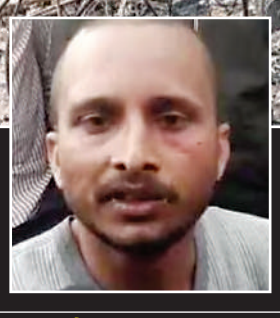

### भाई बोले, अब कौन बांधेगा राखी

घटना के बाद से नेहा का भाई शिवम बार बार अपनी हाथ देख रहा था। रोते हुए शिवम ने कहा कि अब उसको कौन राखी बांधेगा। यह सुन कर पास में खड़ा अंकित भी फफक पड़ा। इसके बाद दोनों भाई आपस में गले लगकर खूब रोए। इस दौरान ग्रामीणों ने उनको सांत्वना दी।

### मां-बेटी का अंतिम संस्कार

कानपुर। कानपुर देहात में जल कर मरीं मां-बेटी का अंतिम संस्कार कानपुर के बिठूर घाट पर किया गया। बुधवार सुबह परिजन दोनों के शव लेकर कानपुर देहात से रवाना हुए। साथ में भारी पुलिस बल मौजूद है। बिठूर में सुबह से ही सीमाओं पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। घायल पति कृष्ण गोपाल दीक्षित भी घाट पर पहुंचे। अंतिम संस्कार के लिए पुलिसकर्मी खुद हाथ में फूल माला लेकर आए। गमगीन माहौल के बीच अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

“ भाजपा राज में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। प्रशासन पूरी तरह बेरहम और अमानवीय हो चला है। हर जिले में उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। कानपुर देहात के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे समाजवादी पार्टी के नेताओं को रोकना सरकार की मंशा को उजागार करता है।

अखिलेश यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सपा

“ गरीबी, बेरोजगारी और मंहगाई में पिछड़ेपन से ग्रस्त राज्य में अब बुलडोजर राजनीति से निर्दोष गरीबों की जान भी जाने लगी है। यह बहुत दुखद है। सरकार अपना जन विरोधी रवैया बदले।

मायावती, बसपा सुप्रीमो

### वायरल हुए वीडियो में नजर आया पूरा सच

वहीं, घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें पूरा सच नजर आ रहा है। इस वीडियो में प्रमिला व उसकी बेटी शिवा जलती हुई झोपड़ी के अंदर सही सलामत मौजूद दिख रही है। जबकि, गेट के बाहर पुलिस प्रशासन दल-बल के साथ खड़ा नजर आ रहा है। इसके बाद भी दोनों महिलाओं की सबके सामने जलकर मौत हो गई। वीडियो में प्रमिला बाहर से चिल्लाते हुए झोपड़ी के अंदर आते दिखी। इसके बाद जान देने की बात कहते हुए उसने अंदर से गेट बंद कर लिया। यह देखकर कुछ महिला सिपाही गेट के पास पहुंचीं और धक्का मारकर गेट खोल दिया। गेट खुलते ही अंदर रही प्रमिला चिल्लाते हुए सुनाई दे रही है कि इन लोगों ने आग लगा दी...। उस वक्त आग सिर्फ छप्पर पर लगी नजर आ रही थी। जबकि, महिलाएं सकुशल खड़ी दिखीं। झोपड़ी में पीछे से भी अंदर जाने का रास्ता नजर आ रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि पुलिस के पास पर्याप्त समय होने के बाद भी महिलाओं को बचाने का प्रयास क्यों नहीं किया गया। वे तमाशबीन क्यों बने रहे...?

“ भारतीय जनता पार्टी सरकार के बुलडोजर पर लगा अमानवीयता का धब्बा इंसानियत के लिए खतरा बन चुका है। पीड़ित परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने के साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कानपुर की हृदयविदारक घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है।

प्रियंका गांधी, महासचिव, कांग्रेस

# आज भी जारी रहा अघोषित आपातकाल

» बीबीसी के दफ्तरों में आयकर सर्वे टीम फिर पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) के दिल्ली और मुंबई ऑफिस पर आयकर विभाग का सर्वे आज भी जारी है। आईटी की टीम 2012 से लेकर अब तक के खाते खंगाल रही है। बीबीसी ने अपने सभी ब्रॉडकास्ट जर्नलिस्ट को ऑफिस आने को कहा है। मंगलवार को जिन कर्मचारियों के कंप्यूटर नहीं जांचे गए थे, उन्हें भी दफ्तर बुलाया गया है।

कंप्यूटर की जांच के बाद पत्रकारों को अपने काम के लिए जाने दिया जाएगा। आयकर विभाग आज बीबीसी के ब्रॉडकास्ट ऑपरेशन में दखल नहीं देगा। आयकर विभाग ने बीबीसी कर्मचारियों के साथ सहयोग करने को कहा है। आयकर विभाग का सर्वे ख़त्म होने के बाद बीबीसी रिलीज़ जारी करेगा। इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी की शिकायतों को लेकर आयकर विभाग ये सर्वे कर रहा है। मंगलवार के बाद बुधवार को भी आयकर विभाग बीबीसी की 2012 से अब तक की अकाउंट्स डिटेल्स चेक करेगी। सूत्रों के मुताबिक बीबीसी के अकाउंट्स और इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स को एग्जामिन और एनालिसिस करने में लंबा वक्त लग सकता है।

### दुनिया भर में स्वतंत्र प्रेस के महत्व का समर्थन करते है : ब्रिटीश विदेश विभाग

भारत में बीबीसी कार्यालयों में आईटी सर्वेक्षण पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि हमें भारतीय आयकर अधिकारियों द्वारा दिल्ली में बीबीसी कार्यालयों की तलाशी के बारे में जानकारी है, मैं और अधिक व्यापक रूप से कहूंगा कि हम दुनिया भर में स्वतंत्र प्रेस के महत्व का समर्थन करते हैं। वहीं बीबीसी ने ट्वीट कर बताया,आयकर विभाग की टीम दिल्ली और मुंबई ऑफिस में मौजूद है। हम उन्हें पूरा सहयोग कर रहे हैं,सर्वे का काम अभी भी जारी है। ऑफिस में काम भी शुरू हो गया है।

### प्रेस क्लब आफ इंडिया ने की छापे की निंदा

नई दिल्ली। प्रेस क्लब आफ इंडिया ने बीबीसी पर हो रहे आईटी सर्वे की कड़ी निंदा की है। क्लब के सचिव के अनुसार सरकार की यह कार्रवाई मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला है। क्लब की विज्ञप्ति में कहा गया है सरकार की गलत नीतियों का जो भी विरोध करता है उसके ऊपर इसी तरह के हमले किए जाते हैं। यह कार्रवाई पूरी तरह बीबीसी डाक्यूमेंट्री गुजरात दंगे पर जो बनाई गई है उसी से जुड़ी हुई लगती है। हालांकि ये चैन है पर कुछ लोग सोशल मीडिया पर इसे देख रहे थे। क्लब ने कहा कि दुनिया की इतनी बड़ी ब्राडकास्टिंग कंपनी पर छापे की कार्रवाई से भारत की छवि खराब होगी। क्लब ने सरकार से अपील की है इन एजेंसियों की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाए और मीडिया की आजादी को बचाए।

# योगी की बुलडोजर नीति क्रूरता की हद : राहुल

» भाजपा का सत्ता का घमंड लोगों के जीने का अधिकार छीन रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को क्रूर सरकार कहा है। उन्होंने कहा कि 'बुलडोज़र नीति भाजपा सरकार की क्रूरता का चेहरा बन गई है जिसे भारत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।**

कानपुर देहात के एक गांव में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मां-बेटी की कथित तौर पर आत्मदाह करने के मामले को लेकर उन्होंने ट्वीट किया, ''जब सत्ता का घमंड लोगों के जीने का अधिकार छीन ले, उसे तानाशाही कहते हैं। कानपुर की घटना से मन विचलित है, ये 'बुलडोज़र नीति इस सरकार की क्रूरता का चेहरा बन गई है। भारत को ये स्वीकार नही।

## बुलडोजर पर लगा अमानवीयता का चश्मा इंसानियत के लिए खतरा : प्रियंका

उधर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के बुलडोजर पर लगा अमानवीयता का चश्मा इंसानियत के लिए खतरा बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने के साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कानपुर की हृदयविदारक घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। हम सबको इस अमानवीयता के खिलाफ आवाज उठानी होगी। कानपुर के पीड़ित परिवार को न्याय मिले एवं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। गौरतलब है कि सोमवार शाम कानपुर देहात जिले के रूरा थाना इलाके के मडौली गांव में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान सोमवार को एक अधेड़ उम्र की महिला और उसकी बेटी ने कथित तौर पर अपनी झोपड़ी में खुद को आग लगा ली, जिससे दोनों की मौत हो गयी थी।

# बीजेपी की नजर में है खोट : कुमारी शैलजा

» कहा- छत्तीसगढ़ में फिर बनेगी कांग्रेस की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रायपुर। कांग्रेस नेता शैलजा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस सरकार बनेगी। भाजपा की केन्द्र सरकार की नजरें ठीक नहीं हैं। हमारी सरकार और मुख्यमंत्री और अधिकारी लोगों को टारगेट कर रहे हैं। हमें अपना काम अडिग होकर काम करना है। बूथ कमेटियों का ट्रेनिंग हम लोगों के बीच लेकर जायेंगे। काई भी चुनौती हो, किसी भी चुनौती से डरना नहीं है।**

85वें कांग्रेस महाअधिवेशन की तैयारी को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में बैठक ली।

हमारी ही पार्टी है, जिसमें नीचे से लेकर उपर तक मेम्बरशिप होती है। बहुत लंबी प्रक्रिया चलती है। ब्लाक जिला तक का चयन होता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में अधिवेशन की बहुत बड़ी चुनौती स्वीकार किया है। कांग्रेस पार्टी नहीं पूरा देश देख रहा है कि यहां छत्तीसगढ़ में महाअधिवेशन होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ में बहुत शानदार महाअधिवेशन होगा। सभी मंत्री व मंत्रीगण, विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, समस्त कांग्रेसजन सभी की जिम्मेवारी है। सभी को एक साथ मिलकर काम करना है।

# चंदा लेने में आगे है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। वर्ष 2021-22 में भाजपा को 614 करोड़ रुपये, जबकि कांग्रेस को 95 करोड़ रुपये चंदा प्राप्त हुआ। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने 7,141 चंदों से (20,000 रुपये से अधिक) प्राप्त कुल चंदा 780.774 करोड़ रुपये घोषित किया है।**

भाजपा ने 4,957 चंदों से कुल 614.63 करोड़ रुपये मिलने की घोषणा की है। इसके बाद कांग्रेस का स्थान है। उसने 1,255 चंदों से 95.46 करोड़ रुपये मिलने की घोषणा की है। भाजपा की तरफ से घोषित चंदा इस अवधि के लिए कांग्रेस, राकांपा, भाकपा, माकपा, एनपीईपी और तृणमूल कांग्रेस की ओर से घोषित कुल चंदे से तीन गुना अधिक है।

## राष्ट्रीय दलों का चंदा बढ़ा

एडीआर के अनुसार, बसपा ने घोषणा की है कि उसे 2021-22 के दौरान 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा नहीं मिला है। राष्ट्रीय दलों के लिए कुल चंदा 2021-22 के दौरान 187.03 करोड़ रुपये बढ़ गया, जो 2020-21 से 31.50 प्रतिशत अधिक है। भाजपा को चंदा 2020-21 के 477.55 करोड़ रुपये से बढ़कर 2021-22 में 614.63 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल में 28.71 प्रतिशत तक की वृद्धि है। कांग्रेस का चंदा वित्त वर्ष 2020-21 के 74.52 करोड़ रुपये से बढ़कर 2021-22 के दौरान 95.46 करोड़ रुपये हो गया, जो 28.09 प्रतिशत की वृद्धि है। सीपीएम और एनसीपी ने 2020-21 की तुलना में 2021-22 में चंदे की राशि क्रमश- 22.06 प्रतिशत (2.85 करोड़ रुपये) और 40.50 प्रतिशत (24.10 लाख रुपये) कम प्राप्त होने की घोषणा की है।

# शिवराज ने किया है महापाप : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता कमलनाथ के बीच सवालों का युद्ध नए पड़ाव की ओर बढ़ गया है। अब दोनों एक-दूसरे के लिए तीखे शब्दों का इस्तेमाल करने से भी परहेज नहीं कर रहे। शिवराज ने कमलनाथ पर छल करने का आरोप लगाया तो पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पलटवार में उन्हें उनका महापाप याद दिलाया। भोपाल में स्मार्ट सिटी पार्क में पौधरोपण के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने पिछली बार झूठ पत्र बनाया था।**

नौ सौ से ज्यादा वादे किए थे। पूरे तो नहीं किए। कांग्रेस और कमलनाथ जी, फिर महाझूठ पत्र बनाकर जनता को ठगने की तैयारी में हैं। इन्होंने वचन पत्र में किए वादे पूरे ही नहीं किए। कमलनाथ जी से एक सवाल पूछ रहा हूं कि जनता को

भ्रमित करते हो। रोज झूठ बोल रहे हो। यह बताओ कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आपने तय किया कि 51 हजार रुपये की राशि एक बेटी की शादी पर खर्च करेंगे। शादी तो हुई। डोली भी उठी। बेटी ससुराल भी चली गई। सालभर बाद कई जगह भांजे-भांजियों का जन्म भी हो गया। कमलनाथ जी, आपके 51 हजार रुपये 15 महीने में नहीं पहुंचे। क्या यह बेटियों के साथ छल नहीं है? बेटियां आपसे जवाब मांग रही हैं।

जहां नारियों की पूजा नहीं की जाती है, वहां सभी कार्य निष्फल हो जाते है कमलनाथ का पलटवार में किया गया सवाल भी बेटियों से जुड़े मसले का ही था। उन्होंने ट्विटर पर लिखा यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:।। शिवराज जी, आपने घोषणा की थी कि 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने पर कॉलेज की छात्राओं को दो पहिया वाहन स्कूटी प्रदान किया जाएगा। इन वाहनों के रजिस्ट्रेशन शुल्क का खर्च सरकार उठाएगी। आपको याद दिला दूं कि आपने दो घोषणा पत्र जारी किए थे। एक समस्त मध्यप्रदेश के लिए और दूसरा विशेष रूप से महिलाओं के लिए। महिला वचन पत्र में आपने 50 वादे किए थे।

# फैसले से मतलब नहीं, परिसीमन आयोग को पहले ही किया खारिज : महबूबा

» फैसले से दिल नहीं टूटा : नेकां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**श्रीनगर। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा, जब शीर्ष कोर्ट के सामने अनुच्छेद 370 को खत्म करने और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून को चुनौती देने जैसी याचिकाएं लंबित हैं तो इस फैसले का खास अर्थ नहीं है। हम परिसीमन आयोग को शुरू से खारिज करते रहे हैं। फैसला क्या आया इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।**

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर

कहा कि इससे उसका दिल नहीं टूटा है। एनसी के प्रवक्ता इमरान नबी ने हालांकि उम्मीद जताई कि अनुच्छेद 370 खत्म करने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई में उन्हें जीत मिलेगी। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 खत्म करने से संबंधित मामले में उनके पक्ष में बहुत सी चीजें हैं क्योंकि वे भारत के संविधान से इतर कुछ भी नहीं मांग रहे हैं।

# किस बजट से लहलहाएगी वोटों की फसल

» कांग्रेस का राजस्थान विस चुनाव पर दांव

» 2024 लोकसभा चुनाव पर है बीजेपी की नजर

गीताश्री

**राजस्थान। आगामी लोक सभा चुनाव व राज्य विधान सभा चुनावों को नजर में रखकर सत्तारुढ़ सियासी पार्टियां अपना बजट पेश करती है। जहां केंद्र की मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग को आयकर में राहत देकर चुनावी दांव चला है वहीं, हिमाचल व राजस्थान की सरकारों ने पुरानी पेंशन बहाली समेत 5सौ रुपयें में सिलेंडर देने के वादे करके आम वोटर को अपनी ओर करने का पूरा जुगाड़ कर लिया है। पर किसका बजट किस पार्टी को फायदा पहुंचाता है ये तो चुनाव के बाद के परिणामों से ही पता चल पाएगा।**

ज्ञात हो कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दो महीने से राजनीतिक रूप से प्रचार कर रहे थे कि इस बार का बजट जनता के लिए राहत भरा होगा। यही नहीं एक दिन पहले उन्होंने देश के बड़े समाचार पत्रों में करोड़ों रुपए के विज्ञापन देकर सूचना दी कि जनता का बजट आने वाला है। लेकिन मुख्यमंत्री ने विधानसभा में आठ मिनट तक पिछले साल का बजट भाषण पढ़ दिया। जब इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज को विधानसभा में पेश करने से पहले मुख्यमंत्री ने नहीं जांचा तो ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उनकी घोषणाओं के क्रियान्वयन को जांचने की जहमत कोई उठाता होगा? उज्ज्वला योजना के तहत जो सस्ते सिलेंडर देने की बात कही गयी है वह छलावा है क्योंकि यह लोक लुभावन घोषणा तब की गयी है जब विधानसभा चुनावों में बहुत कम समय बचा है। राज्यसभा में राज्यसभा में बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने बताया है कि संप्रग सरकार ने पेट्रोलियम कंपनियों को तेल की कीमतें नहीं बढ़ाने पर हुए नुकसान के बदले तेल बॉन्ड जारी किए थे। ये बॉन्ड सब्सिडी थे जिनका भुगतान भविष्य की सरकारों द्वारा किया जाना था। कुल मिलाकर, 1.71 लाख करोड़ रुपये मूल्य के तेल बॉन्ड जारी किए गए और इस संबंध में ब्याज सहित 2.34 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है और 1.07 लाख करोड़ रुपये बाकी हैं जिनका अंतिम भुगतान 2025-26 में किया जाना है। गहलोत या कांग्रेस की अन्य सरकारें बजट में जिस सब्सिडी का प्रावधान कर रही हैं उसका खामियाजा आने वाली सरकारों को भुगतना पड़ेगा।

कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान गरीब परिवारों को छह हजार रुपए मासिक देने का वादा किया था लेकिन जनता ने उसे नकार दिया। अब देश अपनी मेहनत के बल पर आगे बढ़ना चाहता है और जो नेता जनता को मुफ्तखोर बनाने पर तुले हैं उन्हें आसपास के देशों के आर्थिक हालात से भी सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दो बार उत्पाद करों में कटौती कर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें कम कीं लेकिन विपक्ष शासित राज्य सरकारों ने वैट के दाम नहीं घटाए। राजस्थान सरकार भी बहुत समय से पेट्रोलियम पदार्थों पर सर्वाधिक वैट ले रही है ऐसे में जनता से उगाहे गये पैसे से अब उसको कुछ राहत देने की घोषणा की गयी है।

## मोदी अकेले ही देंगे चुनौती

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का तो बखूबी वर्णन किया ही साथ ही विपक्ष पर भी जोरदार निशाना साधा। प्रधानमंत्री के संबोधन ने दर्शाया है कि सरकार को इस बात का विश्वास है कि जनता यह स्वीकार रही है कि उसके हित में निर्णय लिये गये हैं और जब जनता संतुष्ट होती है तो चुनावों में एंटी इनकम्बेंसी जैसी कोई चीज नहीं होती। प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने के बाद संभवत: विपक्ष को भी लग रहा होगा कि मोदी से मुकाबला आसान नहीं होगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान जिस तरह कांग्रेस को ही सीधे निशाने पर रखा उससे साबित होता है कि अगला लोकसभा चुनाव भी इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच होगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने जिस तरह कहा है कि एक अकेला सब पर भारी, वह भी दर्शा रहा है कि अकेले मोदी ही सारे विपक्षी नेताओं का मुकाबला करने की तैयारी एक बार फिर कर चुके हैं।

# भागवत के बयान से क्या छिटकेगा ब्राह्मण!

## संघ प्रमुख ने जातिवादी वर्ण व्यवस्था के लिए पंडितों को जिम्मेदार ठहराया था

» विधान सभा व लोक सभा चुनाव पर होगा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। आने वाले विधान सभा चुनाव व 2024 लोक सभा चुनाव में भागवत का यह बयान जाति भगवान ने नहीं पंडितों ने बनाया है बीजेपी के गले की फांस न बन जाए। आरएसएस प्रमुख के बयान से ब्राहमण वर्ग आग बबूला हो गया है। हालांकि बयान की गंभीरता को देखते हुए भाजपाव संघ ने तुरंत यह कहना शुरू कर दिया कि पंडित से मतलब विद्वान से है न कि जाति ब्राहमण से। खैर यह तो चुनावों के परिणाम के बाद ही पता चलेगा बीजेपी को कितना सियासी हानि होती है और विपक्ष को कितना लाभ।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने जातिवादी वर्ण व्यवस्था के लिए पंडितों को जिम्मेदार क्या ठहराया पूरे ब्राह्मण समाज का गुस्सा संघ के साथ-साथ बीजेपी के खिलाफ भी फूट पड़ा है। इसमें कहीं न कहीं राजनीति हो रही है। ब्राह्मण समाज ठीक वैसे ही उद्वेलित हो रहा है जैसे रामचरितमानस की एक चौपाई को लेकर अगड़ों-पिछड़ों की राजनीति को हवा दी जा रही है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत की ओर से पंडितों के खिलाफ दिए बयान के बाद संघ और भाजपा के ब्राह्मण नेता डैमेज कंट्रोल में जुट गए हैं। यूपी में ब्राह्मण वोटरों की ताकत की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोटरों की संख्या करीब 11 फीसदी है। 403 में 62 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां ब्राह्मण वोटर्स ही निर्णायक की भूमिका में हैं। यहां ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या 20 प्रतिशत से भी अधिक है। उधर, सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर ब्राह्मणों ने संघ प्रमुख के बयान पर नाराजगी जाहिर करते हुए टिप्पणियां शुरू कर दी हैं। इधर, विपक्ष ने भागवत के बयान को हथियार बनाकर एक तीर से दो निशाने साधने की रणनीति बनाई है। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर ब्राह्मणों ने भागवत, संघ और भाजपा को घेरना शुरू कर दिया। ब्राह्मणों ने सोशल मीडिया पर भागवत के बयान की निंदा करते हुए उसे राजनीति से प्रेरित बताया। इस साल राजस्थान, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और मिजोरम सहित नौ राज्यों में चुनाव होना है। विपक्ष इन चुनावों में भागवत के बयान को पूरी कोशिश करेगा। आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी ब्राह्मण वोट बैंक भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में भाजपा सबसे अधिक यूपी पर निर्भर है। यूपी में ब्राह्मण समाज की करीब 11 फीसदी आबादी है। आगामी नगरीय निकाय चुनाव और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समाज की नाराजगी भांपकर संघ और भाजपा के नेताओं ने भागवत के बयान का बचाव शुरू कर किया है। सबसे पहले आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि मोहन भागवत ने पंडित शब्द का उपयोग ज्ञानियों अथवा विद्वानों के लिए इस्तेमाल किया था, न कि किसी जाति धर्म के लिए। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने भाषण के दौरान पंडित शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसका मतलब विद्वान या ज्ञानी होता है। इसका गलत मतलब निकाल कर मुद्दा बनाया जा रहा है। उधर, भाजपा के नेताओं ने संघ की लाइन को ही आगे बढ़ाया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि संघ प्रमुख के बयान का गलत अर्थ निकाला जा रहा है। उन्होंने पंडित शब्द का उपयोग ज्ञानी या विद्वान के लिए किया है, न कि ब्राह्मण समाज के लिए किया है। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक और श्रम कल्याण परिषद के पूर्व अध्यक्ष पंडित सुनील भराला का कहना है कि विपक्ष भागवत के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है। ब्राह्मण समाज विपक्ष के बहकावे में आने वाला नहीं है। संघ प्रमुख का बयान किसी जाति धर्म के खिलाफ नहीं है, उन्होंने पंडित शब्द का उपयोग ज्ञानी या विद्वान के लिए किया है।

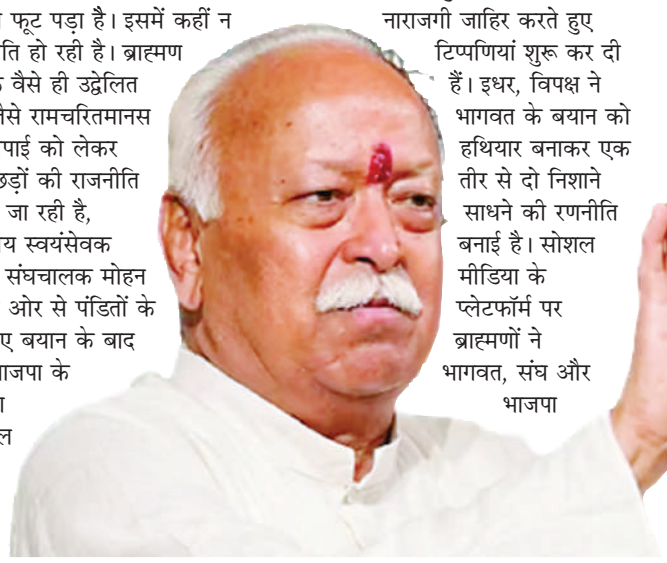

## एक तीर से कई निशाने साधने में जुटा विपक्ष

एक तरफ भागवत के बयान पर बीजेपी रक्षात्मक मुद्रा में है तो रामचरित मानस की चौपाई पर भाजपा को घेर रहा विपक्ष अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान को हथियार बनाकर एक तीर से कई निशाने साधने में जुटा है। विपक्ष की रणनीति है कि रामचरित मानस की चौपाई के जरिये भाजपा और संघ को दलितों और पिछड़ों के बीच कटघरे में खड़ा रखा जाए। साथ ही इस मुद्दे को हवा देकर अब ब्राह्मणों में भी नाराजगी पैदा की जाए। इसी तरह रामचरित मानस की चौपाई पर विवाद खड़ा करने वाले सपा एमएलएसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने संघ प्रमुख के बयान को आधार बनाते हुए कहा कि जाति व्यवस्था पंडितों (ब्राह्मणों) ने बनाई। स्वामी प्रसाद ने कहा कि भागवत के बयान ने धर्म की आड़ में गाली देने वाले ढोंगियों की कलई खोल दी है। कम से कम अब तो रामचरित मानस से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा है कि यदि यह बयान मजबूरी का नहीं है तो भागवत को साहस दिखाते हुए केंद्र सरकार को कह कर गलत टिप्पणी हटवानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मात्र बयान देकर लीपापोती करने से बात बनने वाली नहीं है।

## 62 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां ब्राह्मण वोटर्स नर्णायक की भूमिका में

**यूपी में ब्राह्मण वोटरों की ताकत की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोटरों की संख्या करीब 11 फीसदी है। 403 में 62 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां ब्राह्मण वोटर्स ही निर्णायक की भूमिका में हैं। यहां ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या 20 प्रतिशत से भी अधिक है। प्रयागराज समेत चार ऐसे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जहां ब्राह्मणों की संख्या 40 फीसदी से भी ज्यादा है। मतलब साफ है, यूपी की सियासत में ब्राह्मणों का दबदबा पूरी तरह से काम है। इस बार 2022 के विधानसभा चुनाव में 403 सीटों में से 52 ब्राह्मण विधायक चुनकर आए हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 46 बीजेपी से हैं जबकि पांच सपा और एक कांग्रेस से हैं। ऐसे ही 49 विधायक ठाकुर समाज से जीतकर आए हैं, जिनमें बीजेपी गठबंधन से 43, सपा से 4, बसपा से एक और जनसत्ता पार्टी से राजा भैया हैं।**

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# विश्व समृद्धि हो युवा वैज्ञानिकों का मूलमंत्र

**प्रतिस्पर्धी बने रहने, सामाजिक प्रगति को चलायमान रखने, रोजगार पैदा करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और जीवन की समग्र गुणवत्ता एवं पर्यावरण की स्थिरता में सुधार के लिए सरकारों और उद्योगों को इन उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए तैयार रहना अनिवार्य हो गया है। स्टार्ट-अप्स और उद्यमिता के लिए इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप फोरम और इनोवेशन प्रतियोगिता आयोजित करने चाहिए ।**

*युवा वैज्ञानिकों का आदर्श वाक्य नवाचार, पेटेंट, उत्पादन, और समृद्धि होना चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने यह बात बेंगलुरु में दूसरे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) युवा वैज्ञानिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'नवाचार, पेटेंट, उत्पादन, और समृद्धि' का चार सूत्रीय मूलमंत्र एससीओ देशों को तेजी से विकास की ओर ले जाने में सक्षम है। नीति निर्धारकों ने युवा वैज्ञानिकों से विशेष अनुरोध किया है कि विश्व और मानव कल्याण के लिए, वे आगे आएं और आम सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए साथ मिलकर कार्य करें। एससीओ के युवा वैज्ञानिकों के बीच चर्चा और विचार-विमर्श से नया दृष्टिकोण मिलेगा, जिससे वे इन चुनौतियों के समाधान के लिए नया रोडमैप प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।*

*इसस पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों की परिषद की 19वीं बैठक में परस्पर सहयोग के लिए 'एचईएएलटीएच' का मंत्र दिया था, जिसके व्यापक निहितार्थ हैं। 'एचईएएलटीएच' व्यापक उद्देश्यों को समाहित करने के लिए गढ़ा गया संक्षिप्त रूप है। इसमें, हेल्थ सर्विस पर सहयोग के लिए (एच) इकोनॉमिक सहयोग के लिए (ई) वैकल्पिक (अल्टरनेट) ऊर्जा के लिए (ए), लिटरेचर एवं कल्चर के लिए (एल) टेरेरिज्म मुक्त समाज के लिए (टी) और मानवीय (हुमेनेटिरिसन) सहयोग के लिए (एच) को शामिल किया गया है। एससीओ मध्य और दक्षिण एशिया की रंग-बिरंगी और विशिष्ट संस्कृतियों को एक साथ लाता है और आपसी सहायता और टीम भावना को बढ़ावा देता है। एससीओ देशों में दुनिया की आबादी का लगभग 42 फीसद हिस्सा रहता है, इसका भूमि क्षेत्र 22 फीसद है, और यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 20 फीसद का योगदान देता है। एससीओ देशों की बड़ी संख्या में युवा आबादी यहाँ का एक प्रमुख जनसांख्यिकीय लाभ है। खाद्य सुरक्षा को एससीओ अर्थव्यवस्थाओं के लिए चिंता का एक प्रमुख क्षेत्र बताया, क्योंकि यह तीन अरब से अधिक लोगों की संयुक्त आबादी के लिए महत्वपूर्ण है। किसानों की आय में सुधार के लिए पूर्व-उत्पादन चरण से लेकर उत्पादन के बाद और विपणन तक कृषि मूल्य श्रृंखला में गुणवत्ता और मात्रा दोनों को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। प्रयास में एससीओ की वैज्ञानिक प्रतिभाओं का लाभ उठाना निश्चित रूप से उपयोगी होगा। पर्यावरणीय क्षरण लंबे समय से एससीओ, विशेष रूप से मध्य एशियाई क्षेत्र में चिंता का कारण रहा है। सतत् विकास लक्ष्यों के संदर्भ में प्राकृतिक पर्यावरण, पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। एआई, डेटा एनालिटिक्स जैसी महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, औद्योगिक क्षेत्र सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में शामिल हो रही हैं, और लगभग सभी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# पर्यावरणीय लक्ष्यों के संग मूल संरचना का संरक्षण

रजनीश वत्स

चंडीगढ़ पर सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले से शहर बसते वक्त प्रथम चरण में बने सेक्टर 1 से 30 में रिहायशी घरों में जन घनत्व बढ़ाने के प्रयास को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके तहत अतिरिक्त मंजिलें बनाकर फ्लोर के हिसाब से बेचने आदि पर रोक लगी है। यह निर्णय इस शहर की विशिष्ट वैश्विक धरोहर वास्तुकला मूल्य को संजोये रखने की अनिवार्यता पर मुहर लगाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस विचार को मान्यता दी है कि चंडीगढ़ का मामला अन्य भारतीय शहरों से अलग है। यह आधुनिक युग का बेहतरीन शहरीकरण प्रयोग है, जिसके योजनाकार 20वीं सदी में वास्तुकला और शहरी योजना विषय की मशहूर दूरदृष्टा हस्ती ली कार्बूजिए थे। एक सम्पूर्ण शहर की परिकल्पना के तौर पर चंडीगढ़ एक दुर्लभ नमूना है। इसको कागज पर लकीरों से साकार रूप देने की पीछे दूरदृष्टा संस्थापकों, वास्तुकारों और मशहूर अभियंताओं का सुमेल रहा है। कोई हैरानी नहीं कि चंडीगढ़ के प्रशासनिक भवनों वाले परिसर (कैपिटॉल कॉम्प्लेक्स) को यूनेस्को ने 2016 में वैश्विक धरोहर का दर्जा दिया है यह देशभर में आधुनिक वास्तुकला धरोहर श्रेणी में पहला मामला है।

बृहद संदर्भ में, सर्वोच्च न्यायालय ने समूचे देश में हो रहे बेलगाम अनियोजित शहरीकरण पर गंभीर चिंता के मद्देनजर चंडीगढ़ के मामले में लाल झंडी दिखाई है। जोशीमठ और अन्य पहाड़ी शहरों में हुए हालिया भू-धंसाव की घटनाएं, बेंगलुरु में झीलों की शोचनीय हालत, चेन्नई में आयी भयंकर बाढ़ और गुरुग्राम में सड़कों पर जलभराव जैसे प्रसंगों से सतत शहरी एवं पर्यावरणीय सुरक्षा की अहमियत और रोकथाम उपायों पर फौरी ध्यान देना जरूरी हो गया है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण से उपजी समस्याओं के आलोक में, चंडीगढ़ के मूल वास्तु स्वरूप को बचाये रखने का महत्व बहुत ज्यादा हो गया है क्योंकि यह देश का पहला 'बगीचे-में बसा-शहर' है, जहां पर सबसे ज्यादा पेड़ हैं, शुद्ध हवा है। वहीं यह अन्य सर्वोत्कृष्ट पर्यावरणीय खासियतों के साथ धरोहरीय वास्तुकला का नमूना भी है।

खास तौर पर, सेक्टर 1 से लेकर 30 तक के उत्तरी हिस्से, जिसे 'कार्बूजियन चंडीगढ़' भी कहा जाता है, को बचाना क्यों इतना महत्वपूर्ण है? सर्वप्रथम तो यह कि नगर का यह भाग ली- कार्बूजिए की सीधी योजनाकारी एवं निगरानी में विकसित हुआ था। द्वितीय, शहर के दूसरे और तीसरे चरण बाद में बने हैं, जब इसकी परिधि से

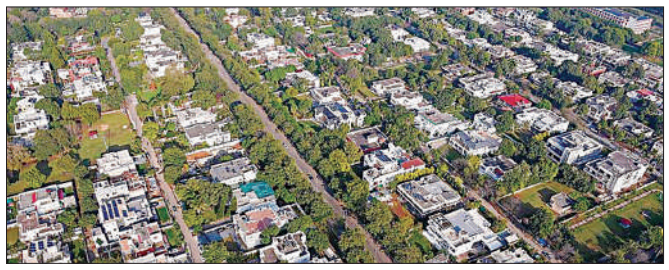

सटे इलाके में पंजाब और हरियाणा ने चंडीगढ़ के लिए बने विशेष कानून का उल्लंघन करते हुए अपने-अपने 'जुड़वां' शहर बना डाले। चंडीगढ़ की परिकल्पना करते वक्त योजना में उत्तरी सेक्टरों की स्थिति महत्वपूर्ण क्यों है यह जानने के लिए उस वक्त में झांकना जरूरी है जब नक्शा सिरे से बन रहा था। कार्बूजिए ने पाया कि क्षितिज पर शिवालिक की पहाड़ियों का नयनाभिराम दर्शन होता है और यह भू-भाग दक्षिण की ओर एक हल्की ढलान लिए है, जो कि पानी की बेहतर निकासी करने में मददगार होगी, तो इन अवयवों का भरपूर उपयोग किया। कार्बूजिए के काम का अध्ययन करने वाले मार्सिटेल्ला कैसटियाओ कहते हैं 'इस इलाके की भौगोलिकता, क्षितिज पर पहाड़ियों का मनोरम परिदृश्य एक ऐसा शहर बनाने का मौका प्रदान करता है जो प्रकृति-नागर वास्तुकला का सुमेल हो।' यही गुण चंडीगढ़ के मूल नक्शे में जीवंत हो उठा जब कार्बूजिए ने प्रशासनिक परिसर (कैपिटॉल कॉम्प्लेक्स) को नक्शे में समझ-बूझकर शहरी कोलाहल से कुछ दूरी पर, सुरम्य वातावरण में स्थापित किया। तथ्य यह भी कि चंडीगढ़ मूर्त रूप देने का काम पहले अमेरिकी वास्तुविदों एलबर्ट मायर और मैथ्यू नॉविकी को मिला था, उन्होंने भी नगर के वर्टिकल एक्सिस को पहाड़ों की दिशा में रखना उचित माना था ताकि क्षितिज पर पहाड़ियों का मंज़र रहे। लकीरों में उकेरी ये परिकल्पनाएं कार्बूजिए के ग्रिड-नुमा वास्तु योजना नक्शे में फलीभूत हुईं, जिसके तहत प्रत्येक सेक्टर को सभी मूलभूत नागरिक सुविधाओं से लैस स्वतंत्र इकाई के रूप में बनाया गया है। कार्बूजिए ने सुखना झील से लेकर कैपिटॉल कॉम्प्लेक्स तक के उत्तर-पूरब सिरे को बतौर एक 'कैपिटल पार्क' रखा, जो विशेष रूप से नैसर्गिक सुंदरता से लबरेज़ आरक्षित खंड रहेगा।

इसमें झील है, वनीय इलाका है, सैर के लिए जंगली पगडंडियां और अलग-अलग थीम पर आधारित बगीचे रखे गए ताकि शहरी बाशिंदों के लिए प्राकृतिक नज़ारों का आनन्द बना रहे। नगर की कल्पना बतौर मानव शरीर करते हुए, कार्बूजिए ने कैपिटॉल कॉम्प्लेक्स को नक्शे में बतौर ताज सजे सिर जैसा उलीका और वहीं रखा, सुरम्य दृश्य और घने पेड़ों से परिपूर्ण वातावरण, इसके पीछे प्रेरणा थी एथेंस के एक्रोपॉलिस का आधुनिक प्रारूप बनाना। इसीलिए सभी उत्तरी सेक्टरों में भवनों की ऊंचाई कम और आसपास खुले भूभागों वाला माहौल बनाया गया।

# खुद को प्रेम करने से संवरेंगे रिश्ते

**अपने आप की अनदेखी करते हुए खुद के ही विचार और व्यवहार की दिशा को समझना मुश्किल है। अपने ही मन की थाह लेना कठिन है। इसीलिए महिलाएं स्नेह-सुकून के कुछ पल अपने मन-जीवन को समझने के लिए भी निकालें। जिम्मेदारियां और जिंदगी की जद्दोजहद तो हमेशा साथ रहती है। भागमभाग में खोकर खुद को अस्त-व्यस्त रखने के बजाय अपने लिए समय निकालना जरूरी है।**

सद्धद्धस

महिलाओं का सब कुछ निभाते हुए अपने आप से दूर हो जाना भारतीय परिवारों में आम बात है। जाने-अनजाने घर संसार में हर रिश्ते को प्रेम से सींचते हुए खुद को ही भूल जाने की स्थितियां बन ही जाती हैं। जबकि खुद से प्यार करना, अपने आप से जुड़े रहना, सबसे अहम रिश्ता है। इसकी मजबूत बुनियाद पर ही दूसरे रिश्तों को थामा जा सकता है। स्वयं को खुश, सहज और संतुष्ट रखे बिना अन्य रिश्तों के निबाह की राह और भी मुश्किल हो जाती है। इसीलिए सबसे जुड़कर खुद को न भुलाएं। अपने आप से भी प्रेम कीजिए। खुद से भी स्नेह-सरोकार का रिश्ता जोड़िए। कई दिन से एक खास दिन को मनाने के लिए प्रेम जताने-निभाने के दावों और वादों का सुंदर परिवेश बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं भी जरा ठहरकर सोचें। तय करें कि अब स्नेह लुटाने के मामले में खुद के प्रति भी उदारता बरतनी है।

अपने आप की अनदेखी करते हुए खुद के ही विचार और व्यवहार की दिशा को समझना मुश्किल है। अपने ही मन की थाह लेना कठिन है। इसीलिए महिलाएं स्नेह-सुकून के कुछ पल अपने मन-जीवन को समझने के लिए भी निकालें। जिम्मेदारियां और जिंदगी की जद्दोजहद तो हमेशा साथ रहती है। भागमभाग में खोकर खुद को अस्त-व्यस्त रखने के बजाय अपने लिए समय निकालना जरूरी है। अपने ही मन की बात और हालात समझना भी आवश्यक है। वरना अपनी उपेक्षा का नतीजा तनाव, चिड़चिड़ापन और हताशा के रूप में सामने आता है। स्वयं के लिए समय निकालने पर अपनी खूबियां और कमजोरियां भी समझ आती हैं। यह समझ जीवन को सहज बनाती है। सहजता हासिल करना ही स्वयं को प्रेम करना है। स्वयं से प्रेम करने वाला इन्सान पूरे परिवेश में प्रेम फैलाता है। सकारात्मक माहौल बनाता है। पॉजिटिव जुड़ाव की बुनियाद अपने अस्तित्व की स्वीकार्यता से ही जुड़ी है। इसीलिए महिलाओं को प्यार जताने-निभाने वालों की फेहरिस्त में कुछ हिस्सा अपने लिए भी रखना चाहिए।

अपने आप को समझने-जानने की कोशिश नकारात्मकता से दूरी बनाने के लिए भी जरूरी है। अपने अस्तित्व से प्रेम करना खुद को समझने की राह पर पहला कदम होता है। यूं भी किसी भी परिस्थिति को समझने के लिए सबसे पहले अपने आप को समझना ही जरूरी है। जिंदगी की भागमभाग में कई बार लोगों के व्यवहार और विचार को भी सही ढंग से समझने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में कई बार शिकायतें, बेचैनी और नकारात्मकता मन में जुड़े जमा लेती हैं। अपने आप से जुड़कर पॉजिटिव सोच को साधने का प्रयास जरूरी है। इन्सान के लिए अपने मन की खुशी भी बेहद जरूरी है। महिलाएं स्वयं को यह स्नेह देने में चूक जाती हैं। जबकि अपने जीवन को स्नेह से लबरेज रखकर ही औरों को स्नेह बांटा जा सकता है। जिंदगी की भागदौड़ में शौक कहीं पीछे छूट जाते हैं। चाहकर कुछ क्रिएटिव करने का समय नहीं निकल पाता। यह बात अपने आप से दूरियां बढ़ाने वाली होती है। इसीलिए कुछ समय अपनी रचनात्मकता के लिए भी निकालें। खुद को प्रेम करने का सबसे प्यारा तरीका कुछ मन का करने और खुशी पाने का ही है। रचनात्मकता हमें यही सौगात देती है। कहते भी हैं कि क्रिएटिविटी अपने आप से जुड़ने का सबसे सुंदर रास्ता है। शोध भी बताते हैं कि अपने नियमित कुछ रचनात्मक करते रहने वाले खुशहाल रहते हैं। भावनात्मक रूप से भी मजबूत होते हैं। महिलाओं को समझना होगा कि खुद से प्रेम करने का हासिल एक सधे और दृढ़ व्यक्तित्व के रूप में आपके हिस्से आता है। आत्मविश्वासी व्यक्तित्व की बुनियाद पर कितने ही सुखद विचार व्यवहार में उतरने लगते हैं। सकारात्मक सोच जिंदगी का हिस्सा बनती है। प्रेम असल में स्नेह, सरोकार और सुखद अहसासों का ताना-बाना ही तो है। खुद को इस प्रेमपगी भावना से वंचित मत कीजिए। खुद से प्यार जताने और निभाने का सबसे सुंदर और सार्थक ढंग अपनी सेहत की संभाल करना है। इसीलिए अपने आप से स्नेह का रिश्ता बनाते हुए अपने स्वास्थ्य की संभाल के लिए भी समय निकालें। खुद शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ और सहज रहेंगी तो अपने से जुड़े रिश्तों को संभाल सकेंगी। सेहत की देखभाल प्राथमिकताओं में शामिल कीजिए। सेहत की देखभाल करने से आने वाली बीमारी या शरीर में होने वाले बदलावों को खुद महसूस किया जा सकता है। समय रहते इनका इलाज हो पाता है। याद रहे कि आपकी पहली जरूरत खुद आप हैं। अपने आपकी संभाल का सबसे अहम हिस्सा अपने स्वास्थ्य की देखभाल है। जरूरी है कि महिलाएं खुद की अनदेखी न करें। अपने आप से एक प्यारा सा रिश्ता बनाएं। जो व्यक्तित्व को पूर्णता दे। आपसे जुड़े हर रिश्ते का सम्बल बनने की बुनियाद बने।

किसी भी देश से दूसरे देश में जाने के लिए वीजा की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सबसे ज्यादा समस्या उन लोगों के लिए सामने आती है जो लोग घूमने के शौकीन होते हैं। किसी भी देश में जाने के लिए वीजा लगवाना इतना आसान नहीं होता। इसके लिए कई पापड़ बेलने पड़ते हैं। दरअसल, कुछ ऐसे देश हैं, जहां जाने के लिए किसी तरह के वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। यहां जाने के लिए आपके पास बस आईडीकार्ड होना जरूरी है। इन देशों में जाने के लिए किसी भी तरह के पेपर वर्क की जरूरत नहीं होती। बड़ी बात ये है कि ये देश वाकई काफी खूबसूरत है, इसलिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं।

# बिना वीजा के कर सकते हैं इन देशों की सैर

## मकाओ

अगर आप मकाओ जाने का सोच रहे हैं तो ये एक बेहतर विकल्प है। यहां 30 दिन तक रुकने के लिए किसी तरह के वीजा की आवश्यकता नहीं है। मगर यदि आप यहां 30 दिन से अधिक रुकने की योजना बना रहे हैं तो आपको वीजा अप्लाई करना पड़ेगा।

## फिजी

बिना वीजा के आप फिजी में 120 दिनों के लिए आराम से रह सकते है। फिजी अपने सुंदर दृश्यों, प्रवाल भित्तियों, लैगून को आमंत्रित करने और मैत्रीपूर्ण लोगों के लिए जाना जाता है। फिजी दक्षिण प्रशांत महासागर में मौजूद एक द्वीप देश है। यह न्यूजीलैंड से करीब 2000 किलोमीटर की दुरी पर है।

## भूटान

ये भारत का पड़ोसी देश है। यहां जाने के लिए आपके पास बस कोई भी भारतीय आईडी होना जरूरी है। भूटान अपनी खूबसूरती की लिए काफी फेमस है। यहां के लिए आपको बस अपना टूरिस्ट पास बनवाना पड़ेगा। नाइट स्टे के लिए यहां भारतीयों से 1200 रुपये सतत विकास शुल्क के तौर लिए जाते हैं। पारो, दोचूला पास, हा वैली, पुनाखा जोंग, तकशांग लहखांग जैसी कई बेहतरीन स्थानों पर आप घूमने के लिए जा सकते हैं। भूटान की प्राकृतिक सुंदरता और ऊचे-ऊचे पहाड़ पर्यटकों को अपनी ओर काफी आकर्षित करती है। अगर आप विराट-अनुष्का के दीवाने है तो उनके तरह आप भी सस्ते में भूटान के इन जगहों को अपने ट्रिप में शामिल कर सकती है। पारो भूटान का तीसरा बड़ा शहर है। पर्यटन के नज़र से इसे एक नंबर एक शहर कहा जाता है।

अगर आप ज्यादा दिन के लिए यहां रुकने का प्लान बना रहे हैं तो यहां के लिए आपको वीजा की जरूरत पड़ेगी। पर, अगर आप सिर्फ कुछ दिनों के लिए घूमने जाना चाहते हैं तो आप यहां बिना वीजा के जा सकते हैं। इंडोनेशिया दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है। जंगलों से लेकर समुद्र तट तक और ज्वालामुखी से लेकर प्राचीन मंदिरों तक सब शामिल है। बाली अपने मंदिरों और समुद्र तटों, दोनों ही के लिए भारतीय टूरिस्ट में भी खासा पॉपुलर है। भारतीय करेंसी की वैल्यू ज्यादा है यहां इंडोनेशिया की करेंसी इंडोनेशियन रुपैया है।

## इंडोनेशिया

## मॉरीशस

भारतीयों को मॉरीशस बिना वीजा के एंट्री देता है। बिना वीजा के आप यहां 90 दिनों तक रह सकते हैं। मॉरीशस में ब्लैक रिवर गॉर्गेस नेशनल पार्क, बेल्ले मेयर प्लेज बीच, सर सीवूसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन, चामरेल और ले मोर्ने ब्रेंट जैसी कई बेहतरीन स्थानों पर घूमने जा सकते हैं। हिंद महासागर के तट पर स्थित बेहद खूबसूरत देश मॉरीशस। पूरी तरह भारतीय रंग में रंगा। सुदूर क्षेत्र के इस देश में भारतीय संस्कृति के फलने-फूलने का अनूठा माध्यम आज भी बैठका है। 183 साल पहले औपनिवेशिक काल में भारत से यहां पहुंचे मजदूरों में कुछ जागरूक लोगों ने अपने सुख-दुख साझा करने का जो मंच बनाया यही बैठका नाम से प्रचलित हुआ।

## हंसना मना है

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी: एक ज़हर की बोतल देना दुकानदार: बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार: बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दू या छोटी?

एक फैमिली शोले फिल्म देख कर अपने घर आयी। तभी पति ने पत्नी से, रोमांटिक अंदाज में कहा, नाच बसंती नाच.. तभी उनका छोटा बच्चा बोला, नहीं मम्मी ईस कुत्ते के सामने मत नाचना..!

अकबर: मुझसे वादा कर तेरी बीवी की पहली किस मुझे लेने देगा, बीरबल: वादा हुजूर! पर मेरी भी एक शर्त है, अकबर: बोल? बीरबल: शादी आपकी बहन से करूंगा।

## कहानी — चालाक लोमड़ी

एक जंगल में गधा, लोमड़ी और शेर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। तीनों ने एकदिन शिकार करने के बारे में सोचा। सबने मिलकर तय किया कि शिकार करने के बाद उसपर तीनों का बराबर हक होगा। और शिकार के लिए जानवर की तलाश में जंगल की ओर निकल पड़े। कुछ ही दूरी पर उन तीनों को जंगल में हिरण दिखा। तीनों ने हिरण पर झपट्टा मारने की कोशिश की। उसे देखते ही वो तेजी से दौड़ने लगा। दौड़ते-दौड़ते थककर हिरण कुछ देर के लिए रुक गया। तभी मौका देखकर शेर ने हिरण का शिकार कर दिया। मरे हुए हिरण के तीन हिस्से करने के लिए शेर ने अपने दोस्त गधे को कहा। जैसा पहले तय हुआ था उसी हिसाब से गधे ने शिकार को तीन बराबर हिस्सों में बांट दिया। ये देखकर शेर को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो गुस्से में जोर-जोर से दहाड़े मारने लगा। शेर ने गधे पर हमला करके उसे अपने दांतों और पंजों की मदद से दो हिस्से में बांट दिया। तभी शेर ने एकदम से लोमड़ी को कहा, चलो दोस्त अब तुम इस शिकार का अपना हिस्सा ले लो। लोमड़ी चालाक और समझदार दोनों ही थी। उसने बड़ी ही अकलमंदी के साथ हिरण के शिकार का तीन चौथाई हिस्सा शेर को दे दिया और खुद के लिए एक चौथाई हिस्सा ही बचाया। इस तरह हुए शिकार के हिस्से से शेर काफी खुश हो गया। उसने हंसते हुए लोमड़ी से कहा कि अरे वाह! तुमने एकदम मेरे मन का काम किया है। तुम्हारा दिमाग काफी तेज है।' इतना कहते ही शेर ने लोमड़ी से पूछा, 'तुम इतनी समझदार कैसे हो? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या चाहता हूं? तुमने इतना अच्छे से शिकार का हिस्सा लगाना कहां से सीखा है?' शेर के सवालों का जवाब देते हुए लोमड़ी बोली कि आप जंगल के राजा हैं और आपको कैसे हिस्सा लगाना है, ये समझना मुश्किल नहीं है। साथ ही मैंने उस गधे की हालत भी देख ली थी। उसके साथ जो कुछ भी हुआ उससे सीख लेते हुए मैंने ऐसी समझदारी दिखाई है।' जवाब सुनकर शेर काफी खुश हुआ। उसने कहा कि तुम सच में बुद्धिमान हो।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — आज आपका दिन सकारात्मक से भरा रहेगा। पैसों की स्थिति में मजबूती के लिए आप निवेश पर ध्यान देंगे। इनकम बढ़ाने के लिए आप कुछ नए काम कर सकते हैं।

**वृषभ** — आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा। कोई भी फैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से गौर फरमाएं।

**मिथुन** — आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीजों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे।

**कर्क** — आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। परिवार के किसी बड़े काम के निपटारे की जिम्मेदारी भी मिल सकती है। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव मिलेगा।

**सिंह** — आज अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। कार्य क्षेत्र में लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की सराहना होगी। जल्द ही सफलता के द्वार खुलेंगे।

**कन्या** — आपका तेज काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएं। इससे आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा।

**तुला** — आज आपका मन राजनीतिक कार्यों की तरफ रहेगा। राजनितिक मामले में सुखद यात्रा के योग बन रहे हैं। करियर के लिए आज का दिन अनुकूल हो सकता है।

**वृश्चिक** — आप को पारिवारिक उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखें आपका कार्य अवश्य सफल होगा। व्यवसाय में उन्नति होगी।

**धनु** — एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। रोमांटिक मनोभावों में अचानक आया बदलाव आपको काफी खिन्न कर सकता है।

**मकर** — आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा होगा। आज कारोबार से आपको बड़ा फायदा हो सकता है। आज स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना होगा।

**कुम्भ** — आज आप की यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद वह उत्साहवर्धक होगी। अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है।

**मीन** — घरेलू कामकाज और रुपये-पैसे को लेकर तनातनी आज आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है। प्यार-मोहब्बत के मामले में जल्दबाजी में कदम उठाने से बचें।

# वैलेंटाइन डे पर जैकलीन के लिए जागी सुकेश की मोहब्बत

## भेजा प्यार भरा संदेश

सुकेश चंद्रशेखर और बॉलीवुड की श्रीलंकाई ब्यूटी जैकलीन फर्नांडीज के रिश्ते का सच किसी से छुपा नहीं है। दोनों की पर्सनल तस्वीरें हो या फिर नोरा और जैकलीन की लड़ाई में अपनी प्रेमिका का पक्ष लेना सुकेश अक्सर अभिनेत्री के लिए अपने प्यार का इजहार करते रहते हैं। ताज्जुब की बात तो यह है कि महाठग सुकेश चंद्रशेखर ऐसा जेल में बंद होकर कर रहा है। ऐसे में वैलेंटाइन डे का मौका हो और सुकेश, जैकलीन को याद न करें ....ऐसा कैसे हो सकता है। आज प्यार के इस दिन पर सुकेश ने अभिनेत्री को कोर्ट रूम से एक प्यार भरा संदेश भेजा है। यह हम नहीं बल्कि सामने आई कुछ नई रिपोर्ट्स कह रही हैं। दरअसल, आज कोर्ट में हुई पेशी के दौरान सुकेश चंद्रशेखर से जब मीडिया कर्मियों ने सवाल-जवाब किए तो महाठग ने जैकलीन के लिए वैलेंटाइन के इस मौके पर खास मैसेज दिया। आपको बता दें, रिपोर्ट्स के मुताबिक, मीडिया ने सुकेश से सवाल किया कि वह जैकलीन द्वारा लगाए गए आरोपों पर क्या कहना चाहेंगे? इसके जवाब में सुकेश ने जैकलीन के लिए मैसेज छोड़ते हुए कहा, मैं उसके बारे में कुछ नहीं कहना चाहूंगा। उसके पास मेरे बारे में ऐसा कहने की वजह हैं। लेकिन मैं उसके बारे में कुछ भी नहीं कहना चाहता। इसके बाद मीडिया ने आने महाठग सुकेश से पूछा कि वह जैकलीन और अपने रिश्ते पर क्या कहना चाहेंगे। इस पर सुकेश ने कहा, उसे मेरी तरफ से हैप्पी वैलेंटाइन डे कहना। गौरतलब है दोनों का रिश्ता काफी कॉन्ट्रोवर्शियल रहा है। जैकलीन और सुकेश की कई तस्वीरें भी वायरल हुई थी, जिनमें अभिनेत्री की बॉडी पर लव बाइट्स नजर आए थे। जब से सुकेश और जैकलीन के कनेक्शन की असलियत का खुलासा हुआ है, तब से अभिनेत्री की जिंदगी में रोज नए-नए तूफान आ रहे हैं। अब देखना यह होगा कि जैकलीन सुकेश के इस विश पर कैसे किएक्ट करती हैं। हाल ही में मीडिया के सामने सुकेश को लेकर जैकलीन का गुस्सा फूटा था। अभिनेत्री ने कोर्ट के बाहर आकर सुकेश के खिलाफ खूब जहर उगला था।

# शाहरुख खान की फिल्म जवान में होगी अल्लू अर्जुन की एंट्री!

बॉलीवुड | मसाला

पठान की सक्सेस के बाद मेकर्स शाहरुख की अगली फिल्म जवान का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में अब खबर आ रही हैं कि साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन भी किंग खान की इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। हालांकि अबी तक मेकर्स की तरफ से इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने अर्जुन को कैमियो के लिए अप्रोच किया है, अगर चीजें ठीक रहती हैं तो जवान के साथ वो अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे। इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि फिल्म में उनका कैमियो काफी अहम हो सकता है। खबरें सामने आने के बाद से ही एसआरके और अल्लू अर्जुन के फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। बड़े पर्दे पर दोनों का कोलैबोरेशन अपने आप में ही बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ सकती है। साउथ डायरेक्टर एटली कुमार की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में कई साउथ इंडियन सेलेब्स मुख्य भूमिका निभाएंगे। शाहरुख के अलावा जवान में नयनतारा,प्रियामणि और विजय सेतुपति लीड रोल्स में नजर आएंगे। अल्लू अर्जुन इन दिनों फिल्म पुष्पा :द रूल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन फैमस साउथ इंडियन डायरेक्टर सुकुमार ने किया है। खबरों की मानें तो फिल्म की शूटिंग लगभग कंप्लीट हो गई है। बता दें कि पुष्पा :द रूल में रश्मिका मंदाना, फहाद फाजिल, रश्मिका मंदाना, सुनील और अनसुया भरद्वाज भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# ऋचा ने अली फजल को विश किया वैलेंटाइन डे, बताया अपना देवता

पूरी दुनिया में 14 फरवरी को वैलेंटाइन्स डे सेलिब्रेट किया जा रहा है। इन सबके बीच बॉलीवुड के भी कई कपल्स शादी के बाद अपना पहला वैलेंटाइंस डे सेलिब्रेट कर रहे हैं। एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा भी पति अली फजल के साथ अलग अंदाज में फर्स्ट वैलेंटाइन डे मना रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक फनी वीडियो शेयर कर अली को वैलेंटाइन विश किया है। इस वीडियो में ऋचा ने 80 दशक के अनुराधा पौडवाल द्वारा गाए गाने को रीक्रिएट किया है। वह फिल्म नसीब अपना अपना के गाने भला है बुरा है जैसा भी है मेरा पति मेरा देवता है को हूबहू कॉपी करती हुई दिखाई दे रही हैं। इस दौरान ऋचा फिल्म नसीब अपना अपना में राधिका सारथकुमार के लुक में नजर आ रही हैं। ऋचा के इस मजेदार वीडियो पर उनके पति अली फजल ने रिएक्ट किया है। उन्होंने कमेंट बॉक्स में लिखा है- हाहाहाहाहा। अली के अलावा एक्टर विजय वर्मा ने भी ऋचा चड्ढा के वीडियो पर रिएक्ट किया है। वहीं फैंस भी इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें, बता दें कि ऋचा चड्ढा और अली की लव स्टोरी की शुरुआत 2012 में फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी। दोनों ने एक दूसरे को सालों तक डेट किया है, जिसके बाद दोनों ने 4 अक्टूबर साल 2022 में शादी कर ली है। हालांकि, इस बीच कपल ने खुद इस बात को भी कंफर्म किया था कि दोनों करीब 2.5 साल पहले ही कोर्ट मैरिज कर शादी के बंधन में बंध गए थे। वहीं वर्क फ्रंट की बात करें तो वह फुकरे, गैंग ऑफ वासेपुर और शकीला जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया था। अली फजल की बात करें तो वह मिरजापुर, फुकरे और खामोशियां जैसे फिल्मों में काम कर चुके हैं, जबकि दोनों ने फुकरे फिल्म में साथ में काम किया है।

# खिलाड़ी ने फुटबॉल को मारी ऐसी किक, हवा में उड़ता प्लेन क्रैश होकर गिर पड़ा था नीचे

कई बार खेल के दौरान ऐसे हादसे हो जाते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। ऐसे किस्से जिंदगीभर याद रहते हैं। फुटबॉल और क्रिकेट में भी मैच के दौरान कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जो जीवनभर के लिए यादगार बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ एक फुटबॉल मैच के दौरान हुआ था। दरअसल, एक फुटबॉलर ने बॉल को ऐसी किक मारी कि हवा में उड़ता हुआ प्लेन क्रैश होकर नीचे गिर गया था। दरअसल परागवे के एक फुटबॉलर ने 17 साल की उम्र में ये कारनामा फुटबॉल प्रैक्टिस के दौरान किया था। आपने छत के ऊपर से प्लेन को गुजरते कई बार देखा होगा। कई बार प्लेन बहुत नजदीक से गुजरते नजर आते हैं लेकिन फिर भी ये इतनी दूर होते हैं कि प्लेन तक कोई चीज उछालकर वहां तक पहुंचाना बहुत मुश्किल होता है। हालांकि ऐसा कमाल एक फुटबॉलर ने कर 60 साल पहले कर दिखाया था, जब उन्होंने अपने एक शॉट से आसमान में उड़ते प्लेन को नीचे गिरा दिया। इस फुटबॉलर का नाम रॉबर्ट गैब्रिएल ट्राएगो है। अब इनकी उम्र 80 साल है। जब उन्होंने यह कारनामा किया था तो उस वक्त उनकी उम्र 17 साल थी। कुछ लोग बताते हैं कि जब रॉबर्ट प्रैक्टिस मैच खेल रहे थे तो एक ऑफिशियल गेम के दौरान एक छोटा प्लेन लगातार लो लेवल पर उड़ रहा था। प्लेन से परेशान होकर ट्राएगो ने फुटबॉल को इतनी जोर से किक किया कि वो सीधा जाकर प्लेन के इंजन पर लग गया। इसके बाद प्लेन खुले मैदान में क्रैश हो गया। ये घटना मैदान से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई। रॉबर्टो ने एक स्पैनिश न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बताया था कि प्लेन को मैदान के काफी नजदीक उड़ाने वाला शख्स उनका परिचित था। रॉबर्टो ने पहले भी उसे चेतावनी भी दी थी कि वो ऐसा ना करे, वरना किसी दिन फुटबॉल के ऊंचे शॉट से वे प्लेन को गिरा देंगे। दरअसल, मैच के दौरान वह पायलट उस छोटे प्लेन को जमीन से बहुत नजदीक उड़ाता था। हालांकि किसी को विश्वास नहीं था कि रॉबर्टो फुटबॉल से प्लेन को नीचे गिरा सकते हैं।

अजब-गजब | भारत की इस रेलवे लाइन पर आज भी है अंग्रेजों का कब्जा

# हर साल चुकाना पड़ता है करोड़ों रुपये का किराया

भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। जो अमेरिका, चीन और रूस के बाद चौथे नंबर पर आता है। भारतीय रेल से रोजाना लाखों लोग यात्रा करते हैं। हम सब जानते हैं भारत में रेल यातायात की शुरुआत डेढ़ सौ साल पहले अंग्रेजों ने की थी। जब देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों द्वारा बिछाई गई रेलवे लाइन भारत की हो गई। लेकिन आज भी हमारे देश में एक ऐसा रेलवे ट्रैक है जो भारत का न होकर अंग्रेजों का है और इसके लिए हर साल भारत को करोड़ों रुपये किराना रॉयल्टी के रूप में चुकाना पड़ता है।

दरअसल, महाराष्ट्र में मौजूद शकुंतला रेलवे ट्रैक के लिए हर साल करोड़ों रुपये की रॉयल्टी देनी पड़ती है।

बता दें कि शकुंतला रेल ट्रैक महाराष्ट्र के यवतमाल से अचलपुर के बीच लगभग 190 किलोमीटर लंबा ट्रैक है। इस ट्रैक पर शकुंतला पैसेंजर चलती है, जो यहां के स्थानीय लोगों की लाइफ लाइन मानी जाती है। भारत सरकार ने इस रेलवे ट्रैक को कई बार खरीदने की कोशिश की लेकिन आजतक इसमें कामयाबी नहीं मिली।

बता दें कि आजादी के बाद जब साल 1952 में भारतीय रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ, लेकिन देश का एक रेलवे ट्रैक इसमे शामिल नहीं हो पाया। क्योंकि यह रेलवे ट्रैक एक ब्रिटिश कंपनी के मालिकाना अधिकार में आता है। आज भी इस पर उसी का अधिकार है। इसीलिए ब्रिटेन की क्लिक निक्सन एंड कंपनी की भारतीय इकाई, सेंट्रल प्रोविजंस रेलवे कंपनी को हर साल करोड़ों रुपए की रॉयल्टी देनी पड़ती है। बता दें कि यह ट्रेन पिछले 70 सालों तक भाप के इंजन से चलती रही, लेकिन साल 1994 के बाद इस पर भाप के इंजन को बदलकर डीजल का इंजन कर दिया गया।

इसके साथ ही इस ट्रेन की बोगियों की संख्या भी अब बढ़ाकर 7 कर दी गई है। बता दें कि अचलपुर से यवतमाल के बीच कुल 17 स्टेशन पड़ते हैं और यह ट्रेन हर स्टेशन पर रूकती है। करीब 190 किलोमीटर का सफर तय करने में इस ट्रेन को लगभग 6 से 7 घंटे का समय लगता है। हालांकि, कुछ कारणों से यह ट्रेन फिलहाल बंद है। लेकिन टूरिस्ट इस रेलवे ट्रैक को देखने के लिए आज भी अचलपुर से यवतमाल आते हैं।

# सरकार की तानाशाही के खिलाफ आंदोलन होगा : अखिलेश यादव

**कहा-भाजपा सरकार में दलितों, पिछड़ों ही नहीं ब्राह्मणों का भी हो रहा उत्पीड़न**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार की तानाशाही के खिलाफ सपा आंदोलन करेगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर सरकार के खिलाफ लड़ाई तेज करने को कहा है। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार में दलितों, पिछड़ों ही नहीं बल्कि ब्राह्मणों का भी लगातार उत्पीड़न हो रहा है। कानपुर की घटना का जिक्र करते हुए पार्टी के ब्राह्मण नेताओं को निर्देश दिया गया है कि जहां भी उत्पीड़न की घटना हो, मौके पर जाएं। पूरे मामले की जांच करें। प्रदेश मुख्यालय को रिपोर्ट दें। साथ ही अपने जिलों के अन्य ब्राह्मण नेताओं को एकजुट कर सरकार की तानाशाही के खिलाफ आंदोलन शुरू करें।

प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर जहां भी उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं,वहां पार्टी का प्रतिनिधि मंडल निरंतर पहुंच रहा है। आम लोगों का उत्पीड़न हो या पार्टी कार्यकर्ता का। हर जगह प्रतिनिधि मंडल जाकर पूरे मामले की जांच कर रहा है। इस जांच रिपोर्ट से राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया जा रहा है।

## सपा प्रतिनिधिमंडल को कानपुर जाने से रोका गया

भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर हैं। सरकार का व्यवहार पूरी तरह से निरंकुश है। सरकार की शह पर अधिकारी और पुलिस अत्याचार की हदें पार कर चुके हैं। पहले सरकार की बुलडोजर नीति के कारण मां बेटी की हत्या हुई। उसके बाद विधानसभा में समाजवादी पार्टी के मुख्य सचेतक डॉ मनोज पांडेय के नेतृत्व में घटना स्थल पर जा रहे पार्टी प्रतिनिधिमंडल को रोका गया। प्रतनिधि मंडल में विधायक अमिताभ बाजपेयी, विनोद चतुर्वेदी, प्रदीप यादव, मोहम्मद हसन आदि शामिल थे। इन सभी को पुलिस ने घटनास्थल पर जाने से रोक लिया। प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कानपुर जिला प्रशासन ने अपने दुष्कृत्य को छुपाने के लिए सुबह से विधायक अमिताभ बाजपेयी के घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया। डॉ मनोज पांडेय एवं पूर्व उदय राज यादव के साथ अभद्रता की गई। मनोज पांडेय के नेतृत्व में पार्टी के नेता धरने पर बैठ गए।

## अत्याचार चरम पर

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। प्रशासन पूरी तरह बेरहम और अमानवीय हो चला है। हर जिले में उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि कानपुर देहात के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे सपा के नेताओं को रोकना सरकार की मंशा को उजागर करता है। सरकार शासन प्रशासन भय और उत्पीड़न की प्रतीक बन गई। भाजपा सरकार का अंत बहुत ही निकट है। आगामी चुनाव में जनता उसकेकर्मो का फल देगी। उन्होंने कहा कि महंगाई से तड़प रही जनता अब उत्पीड़न से परेशान हैं।

## गन्ने की कीमत न बढ़ा सरकार किसानों पर कर रही अन्याय

भाजपा सरकार ने गन्ने की कीमत न बढ़ाकर किसानों के साथ धोखे ही नहीं बल्कि अन्याय भी किया है। महंगाई के कारण गन्ने की उत्पादन लागत बढ़ गई है। किसान गन्ने की कीमत बढ़ाने की मांग कर रहा है। लेकिन भाजपा सरकार संवेदनहीन बनी हुई हैं। चीनों मिलों पर हजारों करोड़ रूपये बकाया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में 14 दिन के भीतर गन्ना मूल्य के भुगतान का वादा किया था। समय पर भुगतान न होने पर ब्याज समेत भुगतान करने का नियम भी है। सरकार मिल मालिकों के साथ सांठगांठ कर किसानों के जीवन को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में गन्ना किसान खाद, दवा, डीजल की बढ़ी कीमतों को देखते हुए उम्मीद कर रहा था कि गन्ने का भी मूल्य बढ़ेगा। लेकिन सरकार ने गन्ना की कीमत समय से बढ़ाने का फैसला नहीं लिया।

### नागपुर में आयोजित समारोह में बोले मोहन भागवत

# राजा का मतलब सेवक होता है शासक नहीं

**» कहा-एक विचारधारा और व्यक्ति देश को बना या बिगाड़ नहीं सकता**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया के अच्छे देशों में विचारों की भीड़ होती है, और एक विचारधारा या एक व्यक्ति किसी देश को बना या बिगाड़ नहीं सकता है। भागवत नागपुर में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे।

मोहन भागवत ने इस दौरान कहा कि राजा का मतलब सेवक होता है, शासक नहीं। अब जमाना प्रजातंत्र का इसलिए अब राजा नहीं रहे हैं, उन्होंने साथ ही दावा किया शिवाजी महराज ने प्रजा के अधिकारों का संरक्षण किया था। बता दें कि हाल ही में भागवत ने बिहार में भी कहा था कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए देश में सभी लोगों को मिलकर काम करना होगा। हमें हमारे संतों के उपदेशों को सबसे पहले अपने दैनिक जीवन में उतारना चाहिए है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, संतों की प्राचीन शिक्षाओं का पहले घर में अनुसरण करना चाहिए और बाद में बाहर प्रचार करना चाहिए. हमारे संतों के उपदेशों को सबसे पहले अपने दैनिक जीवन में उतारना चाहिए... यही प्राथमिकता होनी चाहिए।

### सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए साधु-संतों सहित हम सभी को सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों को हमेशा सच बोलने की सलाह दी। बाद में भागवत ने भागलपुर और बांका जिलों के आरएसएस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। भागवत ने कहा, लोगों को अपने अहंकार को नहीं बढ़ने देना चाहिए और भौतिकवाद से दूर रहना चाहिए, हमेशा सच्चाई पर टिके रहना चाहिए, दुनिया एक भ्रम है, केवल ब्रह्म ही सत्य है।

# विधायक अब्बास अंसारी कासगंज जेल में शिफ्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश की चित्रकूट जिला जेल में बंद विधायक अब्बास अंसारी को पुलिस कासगंज जेल के लिए लेकर रवाना हो गई है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे

होते हुए पुलिस अब्बास को कासगंज लेकर पहुंचेगी। विधायक अब्बास को लेकर जा रहे काफिले में अपर एसपी के नेतृत्व में एक सीओ चार थानों की फोर्स और पुलिस लाइन की भारी तादाद में फोर्स मौजूद है। कैदी वाहन से अब्बास अंसारी को ले जाया जा रहा है।

चित्रकूट से कासगंज की दूरी करीब 459 किलोमीटर है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के रास्ते से लगभग नौ घंटे बाद अब्बास नई जेल में पहुंचेगा। चित्रकूट के अपर एसपी चक्रपाणि पांडे के नेतृत्व में विधायक अब्बास अंसारी को चित्रकूट से कासगंज ले जाया जा रहा है। इसके लिए रास्ते में आने वाले हर जिले और थाने की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

# मप्र में ट्रक और बस की भिड़ंत में दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रतलाम। रतलाम जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र में महू नीमच हाईवे पर सरवड़ जमुनिया गांव के पास बुधवार सुबह बस-ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 16 लोग घायल हुए हैं।

घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब पांच बजे की है। इंदौर तरफ से रतलाम की ओर आ रही बस सरवड़ के पास ट्रक से टकरा गई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक वाहन में चालक गाड़ी में फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। घटना में जावरा रोड निवासी साबिर अब्बासी (55) और राजस्थान के भीलवाड़ निवासी रईस पठान (45 वर्ष) की मौत हुई है।

## हादसे में 16 घायल

घटना के बाद अस्पताल पहुंचे 16 घायलों में निकुंभ निवासी हीना गायरी (19), घोड़ाखेड़ा निवासी कल्पना सारंगदेव (22), महिपाल सिंह गौड़ (20), उदयपुर के रावतपुरा निवासी प्रताप सिंह राजपूत (32), नाहरपुरा उदयपुर निवासी प्रणवलाल मीणा (55), बड़ीसादड़ी निवासी भूरा सिंह मीणा (70), भीलवाड़ा निवासी हंसराज चौधरी (24), उदयपुर निवासी शंभू गुर्जर (24), निकुंभ निवासी रामचंद्र खटीक (35), सुरेश खटीक (55), नीमच निवासी हितेश करेला (42), दीपक गुर्जर (22), भीलवाड़ा जगदीश जाट (32), सांवरिया जी निवासी रामलाल (28), सोनई भीलवाड़ा निवासी गोपाल ओझा (30), पाली निवासी राम मेघवाल (28), मनसा भीलवाड़ा निवासी गोपालनाथ (20) शामिल हैं।

# असम सरकार को हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

## बाल विवाह मामले में चुभने वाले सवाल उठाए, कहा- क्या यहां कोई बलात्कार के आरोप हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में विपक्ष की आलोचना और प्रदर्शन के बीच पुलिस ने राज्य में बाल विवाह के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखी है। बीते कुछ दिनों में 3000 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच बाल विवाह पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ चुभने वाले सवाल उठाए हैं, जिसने बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए कठिन कानून के तहत आरोपों को शामिल करने पर आपत्ति जताई है। इन अपराधों के आरोपियों को पुलिस ने अस्थायी जेलों में रखा गया है, जिसका महिलाएं विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे परिवार के एकमात्र कमाने वाले हैं।

पुलिस की कार्रवाई पर इसलिए भी सवाल उठाए जा रहे हैं, क्योंकि वर्षों पुराने मामलों को खत्म कर दिया

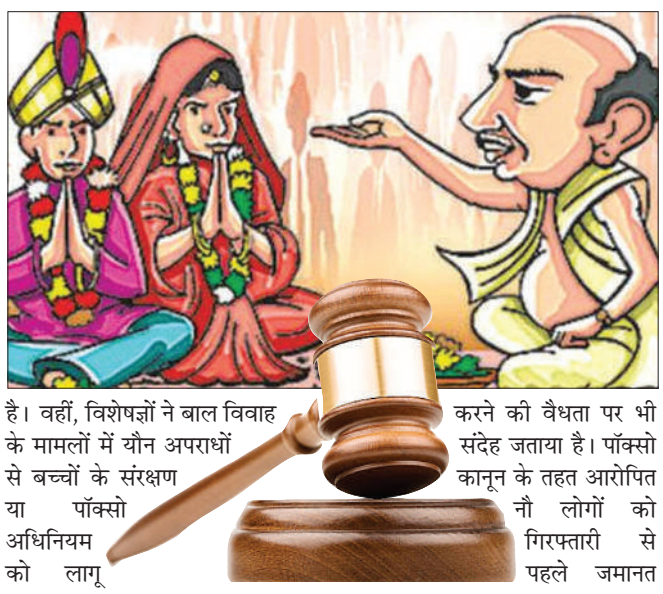

है। वहीं, विशेषज्ञों ने बाल विवाह के मामलों में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण या पॉक्सो अधिनियम को लागू करने की वैधता पर भी संदेह जताया है। पॉक्सो कानून के तहत आरोपित नौ लोगों को गिरफ्तारी से पहले जमानत देते हुए, जिनमें से एक मामले में न्यूनतम 20 साल की सजा हो सकती है, गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कहा कि ये ऐसे मामले नहीं हैं, जिनमें हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता हो।

न्यायमूर्ति सुमन श्याम ने लीगल न्यूज वेबसाइट लाइव लॉ के मुताबिक कहा पॉक्सो आप कुछ भी जोड़ सकते हैं। यहां पॉक्सो आरोप क्या है? केवल इसलिए कि पॉक्सो को जोड़ा गया है, क्या इसका मतलब यह है कि न्यायाधीश यह नहीं देखेंगे कि क्या है? हम यहां किसी को बरी नहीं कर रहे हैं, कोई भी आपको जांच करने से नहीं रोक रहा है, कोर्ट ने एक अन्य केस की सुनवाई के दौरान कहा, क्या यहां कोई बलात्कार के आरोप हैं?

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

# गैर-लाइसेंसी हथियार मामले में प्रदेश सरकार से 'सुप्रीम सवाल'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में गैर-लाइसेंसी हथियार रखने के मामले में स्वत: संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूपी में गैर-लाइसेंसी हथियारों का चलन परेशान करने वाला है। ये भारत है अमेरिका नहीं, जहां हथियार रखना मौलिक अधिकार हो, यूपी सरकार बताए कि गैर-लाइसेंसी हथियार रखने के मामले में कितने केस दर्ज हुए हैं? राज्य सरकार ने गैर-लाइसेंसी हथियारों पर रोक के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

कोर्ट ने यूपी सरकार से इन सवालों के जवाब मांगे हैं। खास बात ये है कि सुप्रीम कोर्ट ने ये कदम हत्या के एक आरोपी की जमानत अर्जी पर उठाया है, कोर्ट ने पूछा कि आखिर क्यों उत्तर प्रदेश में हथियारों से जुड़ी इतनी वारदात होती है

**योगी सरकार बताए- मामले में कितने केस दर्ज हुए**

अब यूपी सरकार को इस पर दो हफ्ते में जवाब देना है, दरअसल, यूपी में गन कल्चर को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब यूपी सरकार की परीक्षा की घड़ी है, क्योंकि उसे देश की सबसे बड़ी अदालत को ठोस जवाब देना है। बता दें कि साल 2021 में देशभर से 71 हजार 458 गैर-कानूनी हथियार जब्त किए गए, इसमें से अकेले यूपी से ही 33 हजार 178 गैर-कानूनी हथियारों की बरामदगी हुई, जो देशभर में बरामद किए गए हथियारों का 46 फीसदी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में गैर-कानूनी हथियारों का कितना बड़ा नेटवर्क चल रहा है।

## 37 पुलिस अफसरों का तबादला

» लखनऊ में तैनात हृदेश बने नोएडा के एसीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर एक बार फिर बड़े फेरबदल हुए हैं। बुधवार को 37 अपर पुलिस अधीक्षकों के ट्रांसफर किए गए हैं। नई सूची के अनुसार लखनऊ में तैनात हृदेश कठेरिया को गौतमबुद्ध कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है।**

इसके अलावा, झांसी में अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय को पुलिस ट्रेनिंग सेंटर लखनऊ में तैनात किया गया है। साथ ही सुधीर जयसवाल को जौनपुर से आजमगढ़ भेजा गया है। नेपाल सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण झांसी से अपर पुलिस अधीक्षक लखीमपुर खीरी बनाया गया है। आशुतोष द्विदेदी को गौतमबुद्ध नगर से एएनटीएफ मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है, इसके अलावा नृपेंद्र को वाराणसी से हरदोई भेजा गया है।

## दिल्ली में नाइट शेल्टर को ही तोड़ दिया, आप ने किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सराय काले खां स्थित नाइट शेल्टर को तोड़ दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने डीयूएसआईबी को सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले सराय काले खां स्थित रैन बसेरा को स्थानांतरित करने को कहा था। पुलिस का कहना था कि इसकी वजह से सराय काले खां बस अड्डे पर क्राइम बढ़ गया है।**

उधर डीडीए के इस कार्रवाई के खिलाफ आप ने एलजी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया है। आप ने कहा कि सालों से रह रहे लोगों को इस तरह बेघर करना ठीक नहीं है। वहीं दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) को लिखे पत्र में पुलिस ने कहा था कि आश्रय स्थल सराय काले खां अंतर-राज्यीय बस टर्मिनल के करीब है, जिससे देश भर के लोग इस सुविधा का लाभ उठाते हैं, रैन बसेरों में रहने वाले लोगों के

पहचान प्रमाण पूरी तरह से सत्यापित नहीं होते हैं और अपराधी तथा बदमाश अक्सर जाली आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र जमा करने के बाद इसे छिपने की जगह के रूप में इस्तेमाल करते हैं। पुलिस ने कहा कि यह अक्सर देखा गया है कि यह बदमाशों और आपराधिक चरित्र के लोगों का पसंदीदा ठिकाना है. रात में यह हमेशा भरा रहता है और वहां रहने वाले लोग अक्सर शराब पीकर हंगामा करते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने सिफारिश की थी कि इसे किसी अन्य जगह पर स्थानांतरित कर दिया जाए।

## पलामू में धार्मिक स्थल से पत्थरबाजी, दर्जनों घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पलामू। पलामू के पांकी में महाशिवरात्रि की पूजा के मौके पर तोरणद्वार बनाने को लेकर दो समुदायों के बीच जमकर हुई झड़प में इलाके में तनाव का माहौल है। यहां धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस के भारी बल की तैनाती की गई है।

पांकी के भगत सिंह (मस्जिद) चौक पर महाशिवरात्रि की पूजा के मौके पर तोरणद्वार बनाने को लेकर दो समुदायों के बीच जमकर झड़प हो गई। इस दौरान धार्मिक स्थल से पत्थरबाजी की गई, जिसमें दर्जनाधिक लोग घायल हुए हैं। दो बाइक एवं एक घर को आग के हवाले कर दिया गया है। कुछ वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई है। स्थिति तनावपूर्ण बनी है। डीसी, एसपी एवं स्थानीय विधायक घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभालने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

## मेघालय चुनाव: भाजपा ने जारी किया लोकलुभावन घोषणापत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को मेघालय के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार दोबारा बनने के बाद वह सातवां वेतन आयोग लागू करेंगे। नड्डा ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों की तनख्वाह भी सही समय पर मिलना सुनिश्चित करेंगे।**

भाजपा के घोषणापत्र में महिलाओं के लिए भी कई योजनाओं का एलान किया गया है। नड्डा ने कहा कि राज्य में बेटी के पैदा होने पर सरकार परिवार को 50 हजार रुपये का बॉन्ड देगी और बेटियों की किंडरगार्टन से लेकर पोस्ट ग्रैजुएट तक की पढ़ाई का बीड़ा उठाएगी। सरकार विधवा महिलाओं और सिंगल मदर्स के लिए 24

हजार रुपये सालाना की मदद के लिए योजना शुरू करेगी, ताकि उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने में मदद की जा सके।

नड्डा ने किसानों और परिवारों के लिए भी बड़े एलान किए। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को मिलने वाली राशि में दो हजार रुपये की वृद्धि की जाएगी। उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थी परिवारों को दो एलपीजी सिलेंडर भी दिए जाएंगे।

फोटो:4 पीएम

**पैदल मार्च** कानपुर देहात प्रकरण को लेकर पैदल मार्च कर राज्यपाल से मिलने जा रहे कांग्रेसियों की पुलिस से तीखी नोक-झोक हुई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### जाने-माने 12 विवि के रिसर्चरों ने किया दावा

## फेस मास्क ने नहीं रोका था कोविड-19 के फैलाव को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। दुनियाभर के जाने-माने विश्वविद्यालयों के 12 रिसर्चरों के नेतृत्व में की गई समीक्षा के बाद कहा गया है कि कोविड-19 के फैलाव को रोकने में मास्क पहनने की भूमिका मामूली या कतई नहीं रही हो सकती है। समीक्षा को कोचरेन लाइब्रेरी ने प्रकाशित किया है, और इसके तहत यह जांचने के लिए 78 नियंत्रित ट्रायल किए गए कि क्या शारीरिक रोकथाम -यानी फेस मास्क पहनना और हाथों को धोते रहना -से कोरोनावायरस का फैलाव रुका या कम हुआ।**

स्लेट रिपोट के अनुसार, कोचरेन समीक्षाओं को दुनियाभर में एविडेन्स-बेस्ड

मेडिसिन का शानदार मानक माना जाता है। रिसर्च करने वालों ने कोविड-19 को रोकने में मास्क पहनने और मास्क नहीं पहनने की भूमिकाओं की तुलना की थी। इस संदर्भ में समीक्षा के लेखक ने कहा, समुदायों द्वारा मास्क पहनने से संभवत: मामूली या कतई नहीं फर्क पड़ा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।